वेम्बनाड झील

[स्रोत: द हिंदू](#)

वेम्बनाड झील भारत की सबसे लंबी झील है, जो **अतिक्रमण, प्रदूषण और आक्रामक प्रजातियों** के कारण गंभीर क्षरण का सामना कर रही है, जिसके कारण **मछली पकड़ में 66% की गिरावट आई है और बाढ़ नियंत्रण क्षमता कम हो गई है।**

वेम्बनाड झील:

- केरल की सबसे लंबी [वेम्बनाड झील](#), जिसे **वेम्बनाड कायल और कोच्चि झील (कोच्चि में)** के नाम से भी जाना जाता है, **अलाप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम में 96.5 किमी तक फैली हुई है।**
- यह वर्ष 2002 से [रामसर वेटलैंड](#) (सुंदरबन के बाद दूसरा सबसे बड़ा रामसर स्थल) रहा है और राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है।
- यह चार नदियों **मीनाचिल, अचनकोविल, पम्पा और मणिमाला** से पोषित होता है तथा एक संकीर्ण अवरोधक द्वीप द्वारा अरब सागर से अलग होता है।
- अगस्त में यहाँ **वार्षिक वल्लम काली (नेहरू ट्रॉफी बोट रेस)** का आयोजन किया जाता है।
- **कुमरकुम पक्षी अभयारण्य** इसके पूर्वी तट पर स्थित है।
- वर्ष 2019 में, [कोच्चि का विलिंगडन द्वीप](#) **झील** से बना था।
- **1,252 मीटर लंबा थन्नीरमुक्कोम लवणीय जल का बैराज,** भारत का सबसे बड़ा कीचड़ निरोधक है जो वर्ष 1976 से चालू है और वेम्बनाड झील को स्वच्छ जल और लवणीय जल के खंडों में विभाजित करता है।

और पढ़ें: [वेम्बनाड झील](#) , [विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vembanad-lake-2